आजादी की पहली लड़ाई अंबाला से हुई थी शुरू

जागरण संवाददाता, अंबाला : एक ऐसा दस्तावेज है, जिससे साबित होता है कि देश की आजादी के लिए 1857 में लड़ा गया पहला स्वतंत्रता संग्राम मेरठ से पहले अंबाला में शुरू हुआ था। इस बगावत को लेकर अंबाला के तत्कालीन डीसी ने एक टेलिग्राफिक संदेश भेजा, जिसने यह साबित किया था। इसी स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की याद में अंबाला-दिल्ली हाईवे के किनारे शहीद स्मारक बनाया जा रहा है, जहां इस संग्राम का पूरा इतिहास दर्शाया जाएगा। अभिलेखों पर नजर मारें तो उस दौरानर अंबाला के डिप्टी कलेक्टर ने एक टेलिग्राफिक संदेश भेजा था।

यह संदेश दस मई 1857 को डिप्टी कलेक्टर टीडी फोरसिथ ने पंजाब के मुख्य आयुक्त जान लारेंस को भेजा था। संदेश में लिखा था कि सुबह 60वीं और 5वीं रेजिमेंट उत्तेजित अवस्था में थी और परेड ग्राउंड पर सशस्त्र थीं। घुड़सवार और तोपखाने को बाहर आने का आदेश दिया गया। हालांकि कोई वास्तविक दंगा-फसाद नहीं...मैंने पुलिस जवानों को तैयार और मौजूद रहने का हुक्म दे दिया है। इसी तरह कुमायूं बटालियन के लेफ्टिनेंट एच. ग्रांट के लिखे एक पत्र में भी गदर को दबाने के लिए ब्रिटिश जवानों के बारोटा के मियोज रीवासन और घसेरा पर हमले का जिक्र है। यही नहीं अंग्रेजों के खिलाफ अंतिम लड़ाई 18 नवंबर 1857 तो राव तुलाराम के नेतृत्व में नसीबपुर के मैदान में लड़ी गई।

अभिलेखागार विभाग की प्रदर्शनी आज से

अंबाला : अभिलेखागार विभाग हरियाणा तथा इतिहास विभाग, राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय अंबाला छावनी में 10 से 12 मई तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर ऐतिहासिक, दुलर्भ अभिलेखों एवं विस्मृत नायकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

चंडीगढ़, 10 मई, 2022 दैनिक जागरण III

अम्बाला केसरी

मंगलवार TUESDAY 10 मई 2022

गवर्नमैंट कालेज में दुर्लभ अभिलेखों की 3 दिवसीय प्रदर्शनी आज से

अम्बाला छावनी, 9 मई (कोचर): अभिलेखागार विभाग हरियाणा, पंचकूला और इतिहास विभाग राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय छावनी के सौजन्य से 10 से 12 मई को भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ- ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के मौके पर ऐतिहासिक, दुर्लभ अभिलेखों एवं विस्मृत नायकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों और आम जनता के लिए 3 दिन तक खुली रहेगी।

प्रदर्शनी में मुख्यत: 1832 का हरियाणा जिला का नक्शा, 1836 में दिल्ली के आयुक्त मि. डब्ल्यू. फ्रेजर की हत्या के जुल्म में शमशुदीन खान को फांसी की सजा, 1857 में अम्बाला छावनी में आगजनी की घटनाओं की रिपोर्ट, 10 मई 1857 को अम्बाला में 5वीं और 60वीं रैजीमैंटों द्वारा शस्त्र उठाने की रिपोर्ट, भारतीयों द्वारा अंग्रेजों का सलामी देने के आदेशों की प्रति, महारानी विक्टोरिया की घोषणा, 1860 में अम्बाला जिला के तहसील एवं गांव के स्कूलों को दर्शाता नक्शा, विदेशी कपड़ों के बहिष्कार करने के सम्बंध में रिपोर्ट, 1930 में शहीद भगत सिंह का मुत्यु दंड का फरमान, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, हुकमचंद जैन आदि के फोटोग्राफ, भारत की आजादी में हरियाणा के स्वतंत्रता सैनानियों तथा आजाद हिन्द फौज के वालिंटियर के फोटोग्राफर्स व संस्मरणों आदि की फोटो प्रतियां, हस्तलिपियां व निजी पत्रों की प्रतियां भी प्रदर्शित की जाएंगी।

प्राचार्य अरुण जोशी ने बताया कि यह प्रदर्शनी अम्बाला के स्कूली व महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं के लिए 11 व 12 मई को खुली रहेगी।

my city

मंगलवार • 10.05.2022

अमर उजाला

04

आज लगेगी प्रदर्शनी

अंबाला। अभिलेखागार विभाग हरियाणा और इतिहास विभाग द्वारा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सौजन्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। दस से बारह मई तक आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर ऐतिहासिक, दुर्लभ अभिलेखों और विस्मृत नायकों की प्रदर्शनी का आयोजन होगा।

प्रदर्शनी में मुख्यतः 1832 का हरियाणा जिले का नक्शा, 1836 में दिल्ली के आयुक्त डब्ल्यु फ्रेजर की हत्या के जुल्म में शमशुदीन खान को फांसी की सजा, 1857 में छावनी में आगजनी की घटनाओं की रिपोर्ट, 10 मई 1857 को अंबाला में 5वीं और 60वीं रेजिमेटों द्वारा शस्त्र उठाने की रिपोर्ट, महारानी विक्टोरिया की घोषणा व फोटोग्राफ, संस्मरणों आदि की फोटो प्रतियां, हस्त लिपियां और निजी पत्रों की प्रतियां भी प्रदर्शित की जाएंगी। प्राचार्य अरूण जोशी ने बताया गया कि यह प्रदर्शनी अंबाला के स्कूली व महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए 11 और 12 मई को खुली रहेगी। संवाद

दैनिक भास्कर

पानीपत, बुधवार 11 मई , 2022 | 03

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में इतिहास विभाग व अभिलेखागार विभाग ने लगाई 3 दिवसीय प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में दिखाया 1832 के हरियाणा का नक्शा व 1857 में छावनी में आगजनी की घटनाओं की रिपोर्ट

भास्कर न्यूज | अम्बाला

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में इतिहास विभाग व अभिलेखागार विभाग पंचकूला की ओर से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दुर्लभ चित्रों/अभिलेखों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों व उनके लेखों की 3 दिवसीय प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें हरियाणा से जुड़े दस्तावेज प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी का उद्घाटन एसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजेंद्र राणा ने किया। प्रिंसिपल अरूण जोशी ने बताया कि 1857 का जन आंदोलन अम्बाला से शुरू हुआ था। प्रदर्शनी में इतिहास के उन दस्तावेजों को दर्शाया गया है जिन्हें स्टूडेंट्स ने बुक्स में पढ़ा है। मौके पर डॉ. अतुल यादव, राम कुमार, मंजेश कुकार, बलविंद्र सिंह, मुनीश कुमार, मनोज कुमार व अभिलेखागार विभाग से अजीतकुमार, मोहन लाल, बलदेव, सुभाष चंद्र मौजूद रहे।

प्रदर्शनी में 1832 का हरियाणा का नक्शा, 1836 में दिल्ली के आयुक्त मि. डब्ल्यु फ्रेजर की हत्या के जुर्म में शमशुदीन खान को फांसी की सजा, 1852 में चंडीगढ़ सिंचाई प्रणाली का सर्वेक्षण, 1854 में चंडीगढ़ और मनसा देवी मंदिर सड़क की मरम्मत, 1857 में अम्बाला छावनी में आगजनी की घटनाओं की रिपोर्ट, 10 मई 1857 को अम्बाला में 5वीं और 60वीं रेजिमेंटों के शस्त्र उठाने की रिपोर्ट, लाला हुकुमचंद जैन को फांसी देना, 1860 में अम्बाला जिला के तहसील व गांव के स्कूलों को दर्शाता नक्शा, 1873 में अम्बाला शहर के सुधार की योजना, 1874 नाना सहिब को जेल, 1887 में थानेसर में सूर्यग्रहण मेले में एकत्रित लोगों का विवरण, 1891 में अम्बाला सेंट्रल जेल के लिए प्रस्ताव, 1919 में अम्बाला में रॉलेट एक्ट का विरोध, अप्रैल 1930 में शहीद भगत सिंह का मृत्यु दंड का फरमान, 1930 में पंडित नेकी राम शर्मा की गिरफ्तारी का पत्र, इसके अतिरिक्त दादू दयाल की बाणी, गुरु चेला गोष्ठी, लाला अमीर चंद की जन्मपत्री, महात्मा गांधी, पं. नेकी राम शर्मा, चौ. छोटू राम, लाला लाजपत राय, बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, हुकम चंद जैन के फोटोग्राफ, हस्तलिपियां व निजी पत्रों की प्रतियां भी प्रदर्शित की गई।

कैंट के राजकीय कॉलेज में लगाई गई प्रदर्शनी को देखते विद्यार्थी।

चंडीगढ़, 11 मई, 2022 दैनिक जागरण

अभिलेखों से जाना स्वतंत्रता संग्राम

अंबाला कैंट के कालेज में अभिलेखागार विभाग ने प्रदर्शनी लगाकर दर्शाया इतिहास

- अंबाला से ही शुरू की गई थी 1857 की क्रांति
- प्रदर्शनी में हरियाणा से जुड़े दस्तावेजों को भी प्रदर्शित किया गया

राजकीय स्नातकोत्तर कालेज व अभिलेखागार विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में एसडी कालेज के प्रिंसिपल को घटनाओं की जानकारी देते हुए। ● सौजन्य विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, अंबाला : अंबाला कैंट के राजकीय स्नातकोत्तर कालेज में अभिलेखागार विभाग व कालेज के इतिहास विभाग द्वारा आजादी की 75वीं वर्षगांठ-आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में दुर्लभ चित्रों, अभिलेखों और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों व उनके लेखों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में हरियाणा से जुड़े दस्तावेज प्रदर्शित किए गए। उल्लेखनीय है कि सन 1857 का संग्राम अंबाला से ही आरंभ हुआ था। इसका उद्घाटन एसडी कालेज के प्राचार्य डा. राजेंद्र राणा ने की। उन्होंने कहा कि इस सूचना क्रांति के दौर में विद्यार्थियों को इतिहास के मूल स्त्रोतों से अवगत कराना जरूरी है, क्योंकि भारतीय इतिहास को कुछ तथा कथित इतिहासकारों ने तोड़ मरोड़कर पेश किया है। कालेज प्राचार्य अरुण जोशी ने कहा कि प्रदर्शनी में इतिहास के उन दस्तावेजों को दशार्या गया है, जिन्हें विद्यार्थियों ने पुस्तकों में पढा है, अब वे इन दस्तावेजों से रूबरू हो रहे हैं। अभिलेखपाल बलदेव सिंह व मनोज ने लोगों को इतिहास के बारे में जानकारी दी।

इन घटनाओं के अभिलेख प्रदर्शित किए

- 1832 का हरियाणा जिला का नक्शा
- 1836 में दिल्ली के आयुक्त मिस्टर डब्ल्यू फ्रेजर की हत्या के जुल्म में शमशुदीन खान को फांसी की सजा
- 1852 में चंडीगढ सिंचाई प्रणाली का सर्वेक्षण
- 1854 में चंडीगढ और मनसा देवी मंदिर सडक की मरम्मत
- 857 में अंबाला छावनी में आगजनी की घटनाओं की रिपोर्ट
- 10 मई 1857 को अंबाला में 5वीं और 60वीं रेजिमेंट द्वारा शस्त्र उठाने की रिपोर्ट
- 1865 में राव तुला राम द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ रांगडों को इकठा करने की रिपोर्ट
- लाला हुकमचंद जैन को फांसी देना
- भारतीयों द्वारा अंग्रेजों का सलामी देने के आदेशों की प्रति
- महारानी विक्टोरिया की घोषणा
- 1860 में अंबाला जिला के तहसील एवं गांव के स्कूलों को दर्शाता नक्शा
- 1873 में अंबाला शहर के सुधार की योजना
- 1874 नाना सहिब को जेल
- 1887 में थानेसर में सूर्यग्रहण मेले में एकत्रित लोगों का विवरण
- 1891 में अंबाला सेंट्रल जेल के लिए प्रस्ताव
- 1919 में अंबाला में रोलेट एक्ट का विरोध
- 1919 को महात्मा गांधी की पलवल में हुई गिरफ्तारी का विस्तृत समाचार
- 1930 में पंडित नेकी राम शर्मा की गिरफ्तारी का पत्र

प्रदर्शनी में जुटाई आंदोलन की जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। छावनी के राजकीय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा अभिलेखागार विभाग हरियाणा पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रदर्शनी लगाई गई।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में दुर्लभ चित्रों, अभिलेखों और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों व उनके लेखों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए एसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र राणा ने कहा कि यह आंदोलन अंबाला से आरंभ हुआ था। कॉलेज के प्राचार्य अरूण जोशी ने कहा कि प्रदर्शनी में उन दस्तावेजों व लेखों को लगाया गया है जो छात्रों ने किताबों में पढ़े। कॉलेज के छात्रों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर प्राध्यापक डॉ. अतुल यादव, रामकुमार, मजेश कुकार, बलविंद्र सिंह, मुनीष कुमार, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

दुर्लभ चित्रों अभिलेखों को प्रदर्शित किया गया

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में जानकारी देते शिक्षक। संवाद

अमर उजाला my city

बुधवार • 11.05.2022

amarujala.com

03